Dr. Kumari Priyanka

History department

H.D Jain college Ara

Notes for semester 2

जर्मनी में हिटलर और नाजीवाद का उदय

हिटलर का जन्म आ**स्ट्रिया** के एक छोटे से नगर **ब्रानो** में 20 अप्रैल, 1889 को एक निम्न मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उसके पिता **एलोइस हिटलर** आस्ट्रियन साम्राज्य की सेवा में सीमा शुल्क निरीक्षक थे। **एलोइस हिटलर** अपने पुत्र को उच्च शिक्षा दिलाकर आस्ट्रियन साम्राज्य की सरकारी सेवा में एक उच्च अधिकारी बनाना चाहता था, परन्तु **एडोल्फ हिटलर** की इच्छा **चित्रकार** बनने की थी। 1903 में हिटलर के पिता की मृत्यु हो गई तथा अत्यन्त निर्धनता के बावजूद उसने दो वर्ष तक अध्ययन कर उच्च माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की। 1907 में उसने वियना की ललितकला अकादमी में प्रवेश पाने का असफल प्रयास किया, परन्तु उसे प्रवेश नहीं मिल सका। उसी वर्ष उसकी माता का देहान्त हो गया। 1908 से 1912 की अवधि में उसे वियना में बड़ा ही दयनीय जीवन व्यतीत करना पड़ा। इस अवधि में वह कभी मजदूरी करके तथा कभी घरों में रंग लेप आदि करके जीवनयापन करता रहा।

इस काल में उसने आस्ट्रिया तथा जर्मनी से सम्बन्धित राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं का काफी अध्ययन और मनन किया। इसी समय से वह **जर्मन राष्ट्रीयता** का **कट्टर समर्थक** बन गया तथा यहूदियों एवं साम्यवादियों आदि से घृणा करने लगा। 1912 के अन्त में वह वियना छोड़कर म्यूनिख चला गया। 1914 में प्रथम महायुद्ध शुरू होने पर वह जर्मन सेना में भर्ती हो गया। उसने बड़ी वीरता तथा निष्ठा के साथ अपने सैनिक कर्तव्यों का पालन किया और 1918 में उसे वीरतापूर्ण कार्यों के लिए प्रथम श्रेणी का **'आयरन क्रॉस'** प्रदान किया गया। कुछ दिनों बाद वह बुरी तरह से घायल हो गया और उसे सैनिक अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल में ही उसे जर्मनी की पराजय का समाचार मिला जिससे उसे प्रबल आघात पहुँचा। उसने जर्मनी की पराजय के लिए समाजवादियों, साम्यवादियों तथा यहूदियों को दोषी ठहराया। उसकी यह धारणा थी कि जर्मनी की पराजय का प्रमुख कारण जर्मनी के समाजवादी तथा गणतन्त्रवादी नेताओं का विश्वासघात या पीठ में छुरा भोंकना था।

1. नाजीदल की स्थापना-

सैनिक अस्पताल से मुक्ति मिलते ही **हिटलर** ने राजनीति में प्रवेश करने का निश्चय कर लिया। वह वापस **म्यूनिख** लौट आया। उसे सेना के गुप्तचर विभाग में काम मिल गया। उसका मुख्य कार्य विभिन्न राजनीतिक दलों की गतिविधियों की सूचना अपने उच्चाधिकारियों तक पहुँचाना एवं समाजवादी विचारों के प्रचार

को रोकना था। इसी समय वह **'जर्मन श्रमिक दल'** का सदस्य बन गया। इस दल की स्थापना 1918 में **एन्टन ड्रेक्सलर** ने की थी। शीघ्र ही इस दल के सदस्यों की संख्या बढ़ने लगी और **हिटलर** इस दल का प्रमुख नेता बन गया। अप्रैल, 1920 में इस दल का नाम बदलकर **'राष्ट्रीय समाजवादी जर्मन श्रमिक दल'** या संक्षेप में **'नाजीदल'** रखा गया। अब हिटलर ने अपनी नौकरी छोड़ दी और अपने दल की शक्ति को बढ़ाने के कार्य में जुट गया।

नाजीदल ने 25 सूत्री कार्यकम घोषित किया, जिसमें दल के सिद्धान्तों तथा उद्देश्यों का उल्लेख किया गया। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित बातें सम्मिलित थी-

(1) वर्साय की सन्धि को निरस्त करना।

(2) तृतीय जर्मन साम्राज्य अथवा वृहत्तर जर्मनी की स्थापना करना।

(3) यहूदियों को जर्मनी से निष्कासित करना।

(4) जर्मनी से छीने गये उपनिवेशों को पुनः प्राप्त करना।

(5) युद्ध-अपराध का निराकरण करना।

(6) जर्मनी की सैन्य-शक्ति का विस्तार करना।

(7) समाजवादियों एवं साम्यवादियों का दमन करना।

(8) युद्धकालीन लाभांशों को जब्त करना।

(9) जनसाधारण के जीवन-स्तर को ऊँचा उठाना।

(10) ब्याज की ऊँची दरों को कम करना।

(11) बड़े उद्योगों तथा कारखानों का राष्ट्रीयकरण करना।

(12) कृषि के क्षेत्र में व्यापक सुधार करना।

(13) वाइमर गणतन्त्र को समाप्त करना।

(13) एकपक्षीय निःशस्त्रीकरण के सिद्धान्त की अवहेलना करना।